

अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी अजमेर

32/2020/बाज.श.पत्र

कचन V/5 अस्वीकार

प्रमाणिक 3 मी 11 3/4
अपील नं-2 एन 2 3/10

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
जारी हुए

तारीख

2020/00032

हुक्म या कार्यवाही मय हस्ताक्षर

पेशी

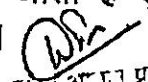
श्री शिवप्रकाश चौधरी/मैंगलाराम चौधरी श्री N.K. चौधरी -1, स्तविका-क/घ-2, 4/12/19

लगाव

रहा है। बाजदायरी प्रार्थना पत्र के साथ धारा 5 मियाद अधिनियम का प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या 02 में वर्णित कथन गलत होकर अस्वीकार है क्योंकि प्रार्थी ने उपरोक्त पैरा में वर्णित कथनों के समर्थन में किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है और ना ही प्रार्थी ने शपथ पत्र अभिभाषक पेश किया है ऐसी स्थिति में शेष कथन मनगढ़न्त होने से प्रार्थना पत्र काबिल खारिज योग्य है। जहाँ तक प्रार्थी के इस कथन का प्रश्न है कि प्रार्थी संख्या 04 ने अपने अधिवक्ता को फोन पर तारीख पेशी बाबत मालूमात की तो वकील साहब ने दिनांक 26.11.2019 को अपील खारिज होने बताया जिसमें प्रार्थी ने अधिवक्ता से किसी दिन, किस तारीख को किसी समय बात की उसका उल्लेख नहीं किया है और ना ही कोई दस्तावेज पेश किया है तथा वर्तमान बाजदायरी प्रार्थना पत्र ने जरिये मुख्यालय पेश किया है जिसमें दर्शाये गये हस्ताक्षर सन्देहास्पद है तथा प्रार्थीया कचन के हस्ताक्षर नहीं है जिससे यह स्पष्ट है कि प्रार्थी झूठे कथनों के आधार पर जानकारी होने के बावजूद भी मयाद बाहर बाजदायरी प्रार्थना पत्र जाये है जिससे मियाद किसी भी सूरत में क्षमा नहीं की जा सकती है और बाजदायरी प्रार्थना पत्र काबिल खारिज योग्य है। माननीय न्यायालय से अनुरोध है कि जवाब बाजदायरी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत स्वीकार फरमाया जाकर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत बाजदायरी प्रार्थना पत्र को उचित व सद्भाविक आधार नहीं होने के कारण सव्यय निरस्त फरमाया जावे। अभिभाषक अप्रार्थी संख्या 02 ने अपने समर्थन में आर.आर.टी. 2017(1) पेज 711 का न्यायिक दृष्टांत पेश किये।

अभिभाषक उभयपक्ष की बहस पर मनन किया गया एवं प्रार्थना पत्र बाजदायरी व अपील का अवलोकन किया गया। बाद अवलोकन यदि किसी प्रकरण में गुणावगुण का बिन्दु सशक्त हो तो ऐसे मामलों में न्यायालयों को उदारता का रुख अपनाते हुए न्यायहित में मियाद को क्षमा किया जाना चाहिए। माननीय उच्चतर न्यायालय ने अपने विभिन्न आदेशों में यह कथन किया कि "वकील की गलती के कारण मामला खारिज तथा मुवकिल पीड़ित नहीं होना चाहिए" एवं प्रकरण तकनीकी बिन्दु पर खारिज नहीं किये जाकर, मेरिट पर निस्तारण किये जाना चाहिए। हम उक्त बाजदायरी प्रार्थना पत्र में हुए विलम्ब को 1000/- (एक हजार रुपये) कोस्ट पर क्षमा किया जाकर बाजदायरी प्रार्थना पत्र में हुए विलम्ब को क्षमा किया जाकर बाजदायरी प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर अपील को गुणावगुण पर निस्तारण करना उचित समझते हैं। अभिभाषक अपीलांट 1000/-रुपये कोस्ट राजस्व बार संघ में जमा कराके रसीद पेश करें।

अतः बाजदायरी प्रार्थना पत्र में हुए विलम्ब को 1000/- (एक हजार रुपये) कोस्ट पर क्षमा किया जाकर बाजदायरी प्रार्थना पत्र में हुए विलम्ब को क्षमा किया जाता है तथा बाजदायरी प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है तथा न्यायालय हाजा के आदेश दिनांक 26.11.2019 को निरस्त किया जाता है एवं अपील को पुनः नम्बर पर लिये जाने के आदेश दिये जाते हैं।


अधीक्षक प्राधिकारी